

HINDI PRACTICE SET-4

1. 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' (दो भागों में, 1965 ई.) के लेखक कौन हैं?

- (A) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त (B) डॉ. नगेन्द्र
(C) डॉ. रामकुमार वर्मा (D) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर: (A) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

व्याख्या: डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त ने 1965 ई. में 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' लिखा और शालिभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि माना।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (सिद्ध/नाथ/जैन कवि)	सूची-II (प्रसिद्ध रचना)
(a) सरहपा	(1) योगसार
(b) शबरपा	(2) चर्यापद
(c) जोइन्दु	(3) दोहाकोश
(d) धनपाल	(4) भविसयत्त कहा

कूट:

- (A) a-3, b-2, c-1, d-4 (B) a-2, b-3, c-4, d-1
(C) a-3, b-1, c-2, d-4 (D) a-4, b-2, c-1, d-3

उत्तर: (A) a-3, b-2, c-1, d-4

व्याख्या: सरहपा - दोहाकोश, शबरपा - चर्यापद, जोइन्दु - योगसार (परमात्मप्रकाश), धनपाल - भविसयत्त कहा।

3. 'गोरखबानी' का प्रामाणिक सम्पादन किसने किया था?

- (A) डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थवाल (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) परशुराम चतुर्वेदी

उत्तर: (A) डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थवाल

व्याख्या: डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थवाल ने 1942 ई. में गोरखनाथ के 14 प्रामाणिक ग्रन्थों का संपादन 'गोरखबानी' नाम से किया।

4. 'जयमयंक जस चन्द्रिका' के रचयिता कौन हैं?

- (A) मधुकर कवि (B) भट्ट केदार
(C) नलसिंह (D) जगनिक

उत्तर: (A) मधुकर कवि

व्याख्या: संवत् 1243 (1186 ई.) में मधुकर कवि ने कन्नौज नरेश जयचन्द की कीर्ति पर 'जयमयंक जस चन्द्रिका' की रचना की।

5. 'कीर्तिलता' और 'कीर्तिपताका' किस भाषा (बोली) में रचित ऐतिहासिक ग्रन्थ हैं?

- (A) अवहट्ट (B) मैथिली
(C) ब्रजभाषा (D) खड़ीबोली

उत्तर: (A) अवहट्ट

व्याख्या: विद्यापति ने तिरहुत नरेश कीर्तिसिंह और शिवसिंह की प्रशंसा में 'कीर्तिलता' और 'कीर्तिपताका' की रचना अवहट्ट (भ्रष्ट अपभ्रंश) में की।

6. 'रुद्र सम्प्रदाय' के प्रवर्तक आचार्य कौन माने जाते हैं?

- (A) विष्णुस्वामी (B) वल्लभाचार्य
(C) निम्बार्काचार्य (D) मध्वाचार्य

उत्तर: (A) विष्णुस्वामी

व्याख्या: वैष्णव भक्ति के चार प्रमुख सम्प्रदायों में 'रुद्र सम्प्रदाय' के मूल प्रवर्तक विष्णुस्वामी थे, जिसे बाद में वल्लभाचार्य ने विकसित किया।

7. सन्त रैदास (रविदास) के कितने पद गुरु ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं?

- (A) 40 पद (B) 60 पद
(C) 100 पद (D) 25 पद

उत्तर: (A) 40 पद

व्याख्या: सन्त रैदास के लगभग 40 पद सिक्खों के पवित्र धार्मिक ग्रन्थ 'गुरु ग्रन्थ साहिब' (आदि ग्रन्थ) में महला के अन्तर्गत संकलित हैं।

8. 'सत्यवती कथा' (1501 ई.) के रचयिता कौन हैं?

- (A) ईश्वरदास (B) कुतुबन
(C) उसमान (D) शेख नबी

उत्तर: (A) ईश्वरदास

व्याख्या: दिल्ली के सुल्तान सिकन्दर लोदी के समय कवि ईश्वरदास ने दोहा-चौपाई शैली में प्रेमाख्यानक 'सत्यवती कथा' की रचना की।

9. 'ज्ञानदीप' सूफी प्रेमाख्यानक काव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) शेख नबी (B) कासिम शाह
(C) नूर मुहम्मद (D) उसमान

उत्तर: (A) शेख नबी

व्याख्या: जहाँगीर के समकालीन कवि शेख नबी ने 1619 ई. में 'ज्ञानदीप' की रचना की जिसमें राजा ज्ञानदीप और रानी देवयानी की कथा है।

10. 'हंस जवाहिर' प्रेमाख्यानक काव्य के रचयिता कौन हैं?

- (A) कासिम शाह (B) शेख निसार
(C) आलम (D) मुकुन्द सिंह

उत्तर: (A) कासिम शाह

व्याख्या: बाराबंकी निवासी सूफी कवि कासिम शाह ने 1736 ई. में 'हंस जवाहिर' की रचना की।

11. 'सखी सम्प्रदाय' (हरिदासी सम्प्रदाय) के प्रवर्तक कौन थे?

- (A) स्वामी हरिदास (B) हितहरिवंश
(C) चैतन्य महाप्रभु (D) जीव गोस्वामी

उत्तर: (A) स्वामी हरिदास

व्याख्या: वृन्दावन में संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास ने निकुंज बिहारी श्रीकृष्ण की उपासना हेतु 'सखी सम्प्रदाय' की स्थापना की।

12. 'राधावल्लभ सम्प्रदाय' के प्रवर्तक कौन थे?

- (A) गोस्वामी हितहरिवंश (B) स्वामी हरिदास
(C) वल्लभाचार्य (D) हरिराम व्यास

उत्तर: (A) गोस्वामी हितहरिवंश

व्याख्या: 1534 ई. में वृन्दावन में गोस्वामी हितहरिवंश ने राधावल्लभ सम्प्रदाय की स्थापना की, जिसमें राधा की प्रधानता है।

13. 'दोहावली' में तुलसीदास जी के कुल कितने दोहे संकलित हैं?

- (A) 573 (B) 713
(C) 500 (D) 650

उत्तर: (A) 573

व्याख्या: तुलसीदास कृत 'दोहावली' में नीति, ज्ञान, भक्ति और चातक-प्रेम से सम्बद्ध कुल 573 दोहे एवं सोरठे संकलित हैं।

14. 'अलंकार पंचाशिका' किस रीति-कवि की प्रसिद्ध अलंकार-रचना है?

- (A) मतिराम (B) भूषण
(C) पद्माकर (D) रसिक सुमति

उत्तर: (A) मतिराम

व्याख्या: कुमारनरेश ज्ञानचन्द के आश्रय में मतिराम ने 50 दोहों में 'अलंकार पंचाशिका' (1690 ई.) की रचना की।

15. 'सुधानिधि' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) तोष कवि (B) रसलीन
(C) बेनी प्रवीन (D) मतिराम

उत्तर: (A) तोष कवि

व्याख्या: रीतिकाल के प्रसिद्ध रस-निरूपक कवि तोष (तोषनिधि) ने 1634 ई. में 'सुधानिधि' की रचना की।

16. 'नवरस तरंग' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) बेनी प्रवीन (B) सुखदेव मिश्र
(C) पद्माकर (D) देव

उत्तर: (A) बेनी प्रवीन

व्याख्या: लखनऊ के कवि बेनी प्रवीन ने 1817 ई. में रस और नायिका-भेद पर 'नवरस तरंग' की रचना की।

17. 'द्रोणपर्व' और 'कर्णपर्व' काव्यों के रचयिता कौन हैं?

- (A) सबलसिंह चौहान (B) गोकुलनाथ
(C) गुमान मिश्र (D) रामसिंह

उत्तर: (A) सबलसिंह चौहान

व्याख्या: महाभारत की कथा को दोहा-चौपाई शैली में निबद्ध करने वाले रीति-कवि सबलसिंह चौहान थे।

18. 'कविप्रिया' में केशवदास ने किस गणिका (नर्तकी) को शिक्षा देने हेतु अलंकारों का निरूपण किया था?

- (A) रायप्रवीन (B) सुजान
(C) सुभान (D) माधवी

उत्तर: (A) रायप्रवीन

व्याख्या: ओरछा नरेश इन्द्रजीत सिंह की विदुषी प्रेमिका एवं नर्तकी रायप्रवीन को काव्य-शिक्षा देने हेतु केशव ने 'कविप्रिया' रची।

19. 'पावस पचासा' और 'सुकवि सतसई' के रचयिता कौन हैं?

- (A) अम्बिकादत्त व्यास (B) राधाकृष्ण दास
(C) प्रतापनारायण मिश्र (D) ठाकुर जगमोहन सिंह

उत्तर: (A) अम्बिकादत्त व्यास

व्याख्या: भारतेन्दु मण्डल के प्रमुख कवि पं. अम्बिकादत्त व्यास ने कुण्डलिया छन्द में 'पावस पचासा' तथा दोहों में 'सुकवि सतसई' रची।

20. 'श्यामा स्वप्न' उपन्यास (1888 ई.) के लेखक कौन हैं?

- (A) ठाकुर जगमोहन सिंह (B) लाला श्रीनिवास दास
(C) राधाचरण गोस्वामी (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर: (A) ठाकुर जगमोहन सिंह

व्याख्या: भारतेन्दु युगीन कवि-उपन्यासकार ठाकुर जगमोहन सिंह ने प्रकृति के रम्य चित्रों से युक्त 'श्यामा स्वप्न' उपन्यास लिखा।

21. 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' के प्रथम सभापति कौन थे?

- (A) पण्डित मदनमोहन मालवीय (B) बाबू श्यामसुन्दर दास
(C) पुरुषोत्तम दास टंडन (D) महात्मा गाँधी

उत्तर: (A) पण्डित मदनमोहन मालवीय

व्याख्या: 1910 ई. में काशी में आयोजित हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रथम अधिवेशन के सभापति महामना मदनमोहन मालवीय थे।

22. 'हिन्दी कोविद रत्नमाला' (दो भागों में) जीवनी-संग्रह के लेखक कौन हैं?

- (A) बाबू श्यामसुन्दर दास (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) डॉ. नगेन्द्र

उत्तर: (A) बाबू श्यामसुन्दर दास

व्याख्या: बाबू श्यामसुन्दर दास ने 1909 और 1914 ई. में हिन्दी के प्रमुख कवियों और गद्यकारों की जीवनियों का संकलन किया।

23. 'भारत-भारती' का प्रकाशन किस वर्ष हुआ था?

- (A) 1912 ई. (B) 1910 ई.
(C) 1914 ई. (D) 1916 ई.

उत्तर: (A) 1912 ई.

व्याख्या: मुसद्दस-ए-हाली के आधार पर देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य को दर्शाने वाली मैथिलीशरण गुप्त की कृति 'भारत-भारती' 1912 ई. में छपी।

24. 'तुलसीदास' नामक प्रसिद्ध खण्डकाव्य (1938 ई.) के रचयिता कौन हैं?

- (A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (B) जयशंकर प्रसाद
(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर: (A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

व्याख्या: गोस्वामी तुलसीदास के मानस-संघर्ष और भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान को केन्द्र बनाकर निराला ने 1938 ई. में यह काव्य रचा।

25. 'उच्छ्वास' और 'ग्रन्थि' किस छायावादी कवि की प्रारम्भिक रचनाएँ हैं?

- (A) सुमित्रानन्दन पंत (B) जयशंकर प्रसाद
(C) निराला (D) महादेवी वर्मा

उत्तर: (A) सुमित्रानन्दन पंत

व्याख्या: पंत जी की प्रारम्भिक विरह-प्रधान कृतियाँ 'उच्छ्वास' (1920 ई.) और 'ग्रन्थि' (1920 ई.) हैं।

26. 'युग की गंगा' और 'नींद के बादल' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) केदारनाथ अग्रवाल (B) नागार्जुन
(C) त्रिलोचन (D) रांगेय राघव

उत्तर: (A) केदारनाथ अग्रवाल

व्याख्या: प्रगतिशील चेतना और ग्रामीण जीवन के सहज सौन्दर्य को उकेरने वाले कवि केदारनाथ अग्रवाल के ये प्रथम संग्रह (1947 ई.) हैं।

27. 'दिगन्त' और 'धरती' काव्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) त्रिलोचन (वासुदेव सिंह) (B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ अग्रवाल (D) मुक्तिबोध

उत्तर: (A) त्रिलोचन (वासुदेव सिंह)

व्याख्या: सॉनेट (चतुष्पदी) छन्द के सिद्धहस्त कवि त्रिलोचन का प्रथम काव्य-संग्रह 'धरती' (1945 ई.) और 'दिगन्त' (1957 ई.) हैं।

28. 'संशय की एक रात' प्रबन्धकाव्य (राम-कथा पर आधारित) के रचयिता कौन हैं?

- (A) नरेश मेहता (B) धर्मवीर भारती
(C) कुंवर नारायण (D) दुष्यन्त कुमार

उत्तर: (A) नरेश मेहता

व्याख्या: युद्ध से पूर्व भगवान राम के मन में उठे संशय और मानवीय वेदना का दार्शनिक चित्रण नरेश मेहता ने 1962 ई. में किया।

29. 'कनुप्रिया' काव्य-कृति के रचयिता कौन हैं?

- (A) धर्मवीर भारती (B) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(C) अज्ञेय (D) गिरिजाकुमार माथुर

उत्तर: (A) धर्मवीर भारती

व्याख्या: 'कनुप्रिया' (1959 ई.) में राधा के प्रेम और महाभारत के युद्ध-प्रसंग के मध्य आधुनिक नारी चेतना का द्वन्द्व चित्रित है।

30. 'सारंग में धूप' हिन्दी गज़ल-संग्रह के रचयिता कौन हैं?

- (A) दुष्यन्त कुमार (B) अदम गोण्डवी
(C) शमशेर बहादुर सिंह (D) त्रिलोचन

उत्तर: (A) दुष्यन्त कुमार

व्याख्या: हिन्दी गज़ल को आम आदमी के संघर्ष और राजनैतिक प्रतिरोध की सशक्त आवाज़ बनाने वाले कवि दुष्यन्त कुमार हैं (1975 ई.)।

31. 'रणधीर और प्रेममोहिनी' (1877 ई.) को हिन्दी का प्रथम दुःखान्त नाटक किसने माना?

- (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) डॉ. नगेन्द्र

उत्तर: (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

व्याख्या: लाला श्रीनिवास दास कृत 'रणधीर और प्रेममोहिनी' को आचार्य शुक्ल ने हिन्दी का प्रथम मौलिक दुःखान्त (tragedy) नाटक माना।

32. 'कर्बला' और 'संग्राम' नाटकों के रचयिता कौन हैं?

- (A) प्रेमचन्द (B) जयशंकर प्रसाद
(C) हरिकृष्ण प्रेमी (D) गोविन्द वल्लभ पन्त

उत्तर: (A) प्रेमचन्द

व्याख्या: मुंशी प्रेमचन्द ने 'संग्राम' (1923), 'कर्बला' (1924) तथा 'प्रेम की वेदी' (1933) नाटकों की रचना की थी।

33. 'रक्षाबन्धन' और 'शिवा साधना' ऐतिहासिक नाटकों के नाटककार कौन हैं?

- (A) हरिकृष्ण 'प्रेमी' (B) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(C) सेठ गोविन्द दास (D) उदयशंकर भट्ट

उत्तर: (A) हरिकृष्ण 'प्रेमी'

व्याख्या: राष्ट्रीय चेतना और हिन्दू-मुस्लिम एकता पर आधारित ऐतिहासिक नाटकों के प्रमुख लेखक हरिकृष्ण 'प्रेमी' हैं।

34. 'अन्धा कुआँ' नाटक के रचयिता कौन हैं?

- (A) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल (B) मोहन राकेश
(C) जगदीशचन्द्र माथुर (D) सुरेन्द्र वर्मा

उत्तर: (A) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

व्याख्या: डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल का प्रथम बहुचर्चित नाटक 'अन्धा कुआँ' (1955 ई.) ग्रामीण पृष्ठभूमि में नारी-शोषण पर केन्द्रित है।

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I (उपन्यास)	सूची-II (उपन्यासकार)
(a) दिव्या	(1) यशपाल
(b) नदी के द्वीप	(2) अज्ञेय

(c) बूँद और समुद्र	(3) अमृतलाल नागर
(d) सूरज का सातवाँ घोड़ा	(4) धर्मवीर भारती

कूट:

- (A) a-1, b-2, c-3, d-4 (B) a-2, b-1, c-4, d-3
(C) a-1, b-3, c-2, d-4 (D) a-4, b-2, c-1, d-3

उत्तर: (A) a-1, b-2, c-3, d-4

व्याख्या: दिव्या - यशपाल (1945), नदी के द्वीप - अज्ञेय (1951), बूँद और समुद्र - अमृतलाल नागर (1956), सूरज का सातवाँ घोड़ा - धर्मवीर भारती (1952)।

36. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास की मुख्य कथा-प्रविधि क्या है?

- (A) अलिफ़-लैला या हितोपदेश की किस्सागोई शैली (B) डायरी शैली
(C) पत्रात्मक शैली (D) आत्मकथात्मक शैली

उत्तर: (A) अलिफ़-लैला या हितोपदेश की किस्सागोई शैली

व्याख्या: धर्मवीर भारती ने मानिक मुल्ला के चरित्र के माध्यम से किस्सागोई प्रविधि में सात दोपहरियों की कहानियों को पिरोया है।

37. 'डार से बिछुड़ी' और 'यारों के यार' उपन्यासों की लेखिका कौन हैं?

- (A) कृष्णा सोबती (B) मन्नू भण्डारी
(C) उषा प्रियंवदा (D) नासिरा शर्मा

उत्तर: (A) कृष्णा सोबती

व्याख्या: अपनी विशिष्ट भाषाई संरचना और बेबाक तेवर के लिए जानी जाने वाली कथाकार कृष्णा सोबती के ये उपन्यास हैं।

38. 'रुकेगी नहीं राधिका' उपन्यास की लेखिका कौन हैं?

- (A) उषा प्रियंवदा (B) मन्नू भण्डारी
(C) मृदुला गर्ग (D) प्रभा खेतान

उत्तर: (A) उषा प्रियंवदा

व्याख्या: विदेश में रहने वाली भारतीय लड़की के मानसिक द्वन्द्व और अलगाव को उकेरने वाला उपन्यास उषा प्रियंवदा का है (1967 ई.)।

39. 'शतरंज के खिलाड़ी' के अतिरिक्त प्रेमचन्द की कौन-सी कहानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर है?

- (A) रानी सारन्धा (B) पूस की रात
(C) कफन (D) ठाकुर का कुआँ

उत्तर: (A) रानी सारन्धा

व्याख्या: ओरछा और बुन्देलों के स्वाभिमान व बलिदान पर आधारित प्रेमचन्द की प्रसिद्ध ऐतिहासिक कहानी 'रानी सारन्धा' है।

40. 'गुण्डा' कहानी के मुख्य पात्र का नाम क्या है?

- (A) नन्हकू सिंह (B) बुद्धगुप्त
(C) मधुआ (D) अरुण

उत्तर: (A) नन्हकू सिंह

व्याख्या: काशी के आन-बान और वारेन हेस्टिंग्स के समय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर जयशंकर प्रसाद की कहानी का नायक नन्हकू सिंह है।

41. 'लाल पान की बेगम' कहानी के मुख्य पात्र कौन हैं?

- (A) बिरजू की माँ और मखनी फुफू (B) हीरामन और हीराबाई
(C) सिरचन और मानू (D) गजाधर बाबू

उत्तर: (A) बिरजू की माँ और मखनी फुफू

व्याख्या: फणीश्वरनाथ रेणु की आंचलिक कहानी 'लाल पान की बेगम' में बैलगाड़ी पर नाच देखने जाने की ग्रामीण कथा है।

42. 'ठेस' कहानी में हस्तशिल्पी (कारीगर) पात्र का नाम क्या है?

- (A) सिरचन (B) बदलू
(C) गोवर्धन (D) बिरजू

उत्तर: (A) सिरचन

व्याख्या: फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'ठेस' में शीतलपाटी और मोढ़े बनाने वाले स्वाभिमानी ग्रामीण शिल्पी का नाम सिरचन है।

43. 'शिवशम्भु के चिट्ठे' निबन्ध-माला के लेखक कौन हैं?

- (A) बाबू बालमुकुन्द गुप्त (B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर: (A) बाबू बालमुकुन्द गुप्त

व्याख्या: लॉर्ड कर्जन के दमनकारी शासन और बंग-भंग पर तीखा राजनीतिक व्यंग्य करने वाले 'शिवशम्भु के चिट्ठे' बालमुकुन्द गुप्त के हैं।

44. 'कछुआ धरम' और 'मारेसि मोहिं कुठाउँ' निबन्धों के लेखक कौन हैं?

- (A) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (B) अध्यापक पूर्ण सिंह
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर: (A) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

व्याख्या: प्राच्य विद्या, भाषाशास्त्र और भारतीय दर्शन के मर्मज्ञ पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के ये पाण्डित्यपूर्ण व्यंग्य निबन्ध हैं।

45. 'मजदूरी और प्रेम' निबन्ध के रचयिता कौन हैं?

- (A) सरदार पूर्ण सिंह (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) पद्मसिंह शर्मा

उत्तर: (A) सरदार पूर्ण सिंह

व्याख्या: श्रम की महत्ता, हल चलाने वाले किसान और गड़ेरिये के पवित्र जीवन की प्रशंसा करने वाले निबन्धकार सरदार पूर्ण सिंह हैं।

46. 'भूत के पाँव पीछे' और 'पगडण्डियों का जमाना' व्यंग्य-संग्रहों के रचयिता कौन हैं?

- (A) हरिशंकर परसाई (B) शरद जोशी
(C) रवीन्द्रनाथ त्यागी (D) श्रीलाल शुक्ल

उत्तर: (A) हरिशंकर परसाई

व्याख्या: भ्रष्टाचार, पाखण्ड और सामन्ती मानसिकता पर प्रहार करने वाले ये व्यंग्य-संग्रह हरिशंकर परसाई के हैं।

47. 'हिन्दी साहित्य: बीसवीं शताब्दी' आलोचनात्मक ग्रन्थ के लेखक कौन हैं?

- (A) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (B) डॉ. नगेन्द्र
(C) डॉ. नामवर सिंह (D) रामविलास शर्मा

उत्तर: (A) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

व्याख्या: छायावाद के प्रमुख सौष्ठववादी समीक्षक आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की पहली समीक्षा पुस्तक 'हिन्दी साहित्य: बीसवीं शताब्दी' (1942) है।

48. 'रस सिद्धान्त' (1964 ई.) समीक्षा ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) डॉ. नगेन्द्र (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

उत्तर: (A) डॉ. नगेन्द्र

व्याख्या: रस सिद्धान्त की आधुनिक मनोवैज्ञानिक एवं पुनर्व्याख्या प्रस्तुत करने वाली इस अमर कृति के लिए डॉ. नगेन्द्र को साहित्य अकादेमी मिला।

49. 'अन्या से अनन्या' किस लेखिका की आत्मकथा है?

- (A) प्रभा खेतान (B) मैत्रेयी पुष्पा
(C) मन्नू भण्डारी (D) कृष्णा सोबती

उत्तर: (A) प्रभा खेतान

व्याख्या: स्त्री अस्मिता, स्वतंत्रता और जीवन-संघर्षों को निडरता से उद्घाटित करने वाली आत्मकथा 'अन्या से अनन्या' (2007) प्रभा खेतान की है।

50. 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा-वृत्तान्त के लेखक कौन हैं?

- (A) निर्मल वर्मा (B) मोहन राकेश
(C) अज्ञेय (D) रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर: (A) निर्मल वर्मा

व्याख्या: यूरोप और चेकोस्लोवाकिया की यात्रा के संवेदनात्मक अनुभवों पर आधारित 'चीड़ों पर चाँदनी' (1964 ई.) निर्मल वर्मा की कृति है।

51. 'काव्यादर्श' में कितने परिच्छेद हैं और इसके लेखक कौन हैं?

- (A) 4 परिच्छेद - आचार्य दण्डी (B) 6 परिच्छेद - भामह
(C) 10 परिच्छेद - विश्वनाथ (D) 8 परिच्छेद - वामन

उत्तर: (A) 4 परिच्छेद - आचार्य दण्डी

व्याख्या: 7वीं शती के दक्षिण भारतीय आचार्य दण्डी ने 4 परिच्छेदों में काव्य-लक्षण, गुण, दोष और अलंकारों का विवेचन 'काव्यादर्श' में किया।

52. 'काव्यालंकार' (16 अध्यायों में) नामक ग्रन्थ आचार्य भामह के अतिरिक्त किस अन्य आचार्य का भी है?

- (A) रुद्रट (B) उद्भट
(C) मम्मट (D) वामन

उत्तर: (A) रुद्रट

व्याख्या: 9वीं शती के कश्मीरी आचार्य रुद्रट ने भी आर्या छन्द में 'काव्यालंकार' नाम से ग्रन्थ लिखा।

53. 'व्यक्तिविवेक' नामक ध्वनि-विरोधी ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) महिमभट्ट (B) धनंजय
(C) कुन्तक (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर: (A) महिमभट्ट

व्याख्या: 11वीं शती के आचार्य महिमभट्ट ने ध्वनि सिद्धान्त का खण्डन करते हुए सभी व्यंग्यार्थों को 'अनुमान' के अन्तर्गत माना।

54. 'नाट्यदर्पण' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

- (A) रामचन्द्र-गुणचन्द्र (B) सागरनन्दी
(C) धनंजय (D) शारदातनय

उत्तर: (A) रामचन्द्र-गुणचन्द्र

व्याख्या: हेमचन्द्र के शिष्य रामचन्द्र और गुणचन्द्र ने 'नाट्यदर्पण' लिखा और रसों को सुख-दुःखात्मक माना।

55. 'शोक' किस रस का स्थायी भाव है?

- (A) करुण रस (B) रौद्र रस
(C) शान्त रस (D) भयानक रस

उत्तर: (A) करुण रस

व्याख्या: इष्ट के विनाश या अनिष्ट की प्राप्ति से उत्पन्न होने वाला स्थायी भाव 'शोक' करुण रस का स्थायी भाव है।

56. 'प्रसाद गुण' का लक्षण क्या है?

- (A) सुनते ही जिसका अर्थ मन में सहज ही व्याप्त हो जाए (स्वच्छता) (B) चित्त में दीप्ति पैदा करना
(C) चित्त को पिघलाना (D) केवल कठोर वर्णों का प्रयोग

उत्तर: (A) सुनते ही जिसका अर्थ मन में सहज ही व्याप्त हो जाए (स्वच्छता)

व्याख्या: सूखे ईंधन में अग्नि के समान जो गुण सुनते ही चित्त में तुरन्त व्याप्त हो जाए, उसे प्रसाद गुण कहते हैं।

57. 'व्यतिरेक' अलंकार का मूल लक्षण क्या है?

- (A) उपमान की तुलना में उपमेय का उत्कर्ष (अधिकता) दिखाना (B) उपमेय का निषेध करना
(C) उपमान को हीन दिखाना (D) केवल समानता बताना

उत्तर: (A) उपमान की तुलना में उपमेय का उत्कर्ष (अधिकता) दिखाना

व्याख्या: कारण सहित उपमेय को उपमान की अपेक्षा श्रेष्ठ या अधिक गुणयुक्त दिखाने पर व्यतिरेक अलंकार होता है।

58. 'प्रतीप' अलंकार का शाब्दिक अर्थ क्या है?

- (A) उल्टा (विपरीत) (B) सीधा
(C) समानान्तर (D) अधूरा

उत्तर: (A) उल्टा (विपरीत)

व्याख्या: उपमा के प्रसिद्ध अंग उपमान को उपमेय बना देना अथवा उपमान को लज्जित दिखाना 'प्रतीप' (उल्टा) अलंकार कहलाता है।

59. 'छप्पय' विषम मात्रिक छन्द किन दो छन्दों के योग से बनता है?

- (A) रोला (4 चरण) + उल्लाला (2 चरण) (B) दोहा + रोला
(C) चौपाई + दोहा (D) सोरठा + रोला

उत्तर: (A) रोला (4 चरण) + उल्लाला (2 चरण)

व्याख्या: छप्पय 6 चरणों वाला संयुक्त छन्द है जिसके प्रथम 4 चरण रोला के और अंतिम 2 चरण उल्लाला के होते हैं।

60. 'कवित्त' (घनाक्षरी) छन्द में प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं?

- (A) 31 वर्ण (16 और 15 पर यति) (B) 32 वर्ण
(C) 28 वर्ण (D) 24 वर्ण

उत्तर: (A) 31 वर्ण (16 और 15 पर यति)

व्याख्या: मनहरण घनाक्षरी (कवित्त) वर्णिक छन्द है जिसके प्रत्येक चरण में 31 वर्ण होते हैं और 16-15 पर यति होती है।

61. 'सवैया' छन्द में कितने वर्णों का विस्तार होता है?

- (A) 22 से 26 वर्ण (B) 16 से 20 वर्ण
(C) 27 से 31 वर्ण (D) 11 से 15 वर्ण

उत्तर: (A) 22 से 26 वर्ण

व्याख्या: 22 वर्ण से लेकर 26 वर्ण तक के वृत्त छन्दों को 'सवैया' कहा जाता है (मत्तगयन्द, दुर्मिल, मदिरा आदि इसके भेद हैं)।

62. 'हिन्दुस्तानी' भाषा की मूल प्रकृति क्या है?

- (A) हिन्दी और उर्दू का सरल एवं व्यावहारिक रूप (B) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी
(C) फारसीनिष्ठ उर्दू (D) केवल ग्रामीण बोली

उत्तर: (A) हिन्दी और उर्दू का सरल एवं व्यावहारिक रूप

व्याख्या: महात्मा गाँधी द्वारा समर्थित हिन्दुस्तानी भाषा जनसाधारण की वह भाषा है जिसमें तद्भव, अरबी-फारसी के सरल शब्द घुले-मिले होते हैं।

63. 'ब्राह्मण अपभ्रंश' से किस आधुनिक भारतीय आर्य भाषा का विकास हुआ?

- (A) सिन्धी (B) पंजाबी
(C) कश्मीरी (D) लहन्दा

उत्तर: (A) सिन्धी

व्याख्या: सिन्धु नदी के तटवर्ती क्षेत्र की भाषा 'सिन्धी' का विकास ब्राह्म अपभ्रंश से हुआ है।

64. 'कैथी' और 'महाजनी' लिपियाँ किस लिपि के व्यावहारिक घसीट (कर्जिव) रूप हैं?

- (A) देवनागरी लिपि (B) शारदा लिपि
(C) गुरुमुखी लिपि (D) बंगाली लिपि

उत्तर: (A) देवनागरी लिपि

व्याख्या: उत्तर भारत में न्यायालयों, राजस्व अभिलेखों और व्यापारियों के बही-खातों में देवनागरी के सरलीकृत रूप कैथी और महाजनी प्रयुक्त होते थे।

65. राजभाषा अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ था और इसमें संशोधन कब हुआ?

- (A) 1963 ई. में पारित, 1967 ई. में संशोधित (B) 1955 ई. में पारित, 1960 ई. में संशोधित
(C) 1950 ई. में पारित, 1956 ई. में संशोधित (D) 1976 ई. में पारित, 1980 ई. में संशोधित

उत्तर: (A) 1963 ई. में पारित, 1967 ई. में संशोधित

व्याख्या: संसद द्वारा राजभाषा अधिनियम 1963 ई. में पारित हुआ तथा 1967 ई. में इसमें ऐतिहासिक संशोधन किया गया।

66. महाप्राण वर्णों की पहचान क्या है?

- (A) प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (2, 4) तथा ऊष्म वर्ण (श, ष, स, ह) (B) प्रत्येक वर्ग का 1, 3, 5 वर्ण
(C) केवल अन्तस्थ वर्ण (D) सभी स्वर

उत्तर: (A) प्रत्येक वर्ग का दूसरा और चौथा वर्ण (2, 4) तथा ऊष्म वर्ण (श, ष, स, ह)

व्याख्या: जिन वर्णों के उच्चारण में अधिक श्वास-वायु (हकार जैसी ध्वनि) निकले, वे महाप्राण वर्ण कहलाते हैं।

67. 'अघोष' वर्ण निम्नलिखित में से कौन-से होते हैं?

- (A) प्रत्येक वर्ग का पहला और दूसरा वर्ण (1, 2) तथा श, ष, स (B) प्रत्येक वर्ग के 3, 4, 5 वर्ण
(C) य, र, ल, व, ह (D) सभी स्वर

उत्तर: (A) प्रत्येक वर्ग का पहला और दूसरा वर्ण (1, 2) तथा श, ष, स

व्याख्या: जिनके उच्चारण में नाद न होकर केवल श्वास का प्रयोग हो, वे अघोष वर्ण कहलाते हैं (कुल 13 वर्ण)।

68. 'सूर्योदय' में कौन-सी सन्धि है?

- (A) गुण स्वर सन्धि (B) वृद्धि स्वर सन्धि
(C) यण स्वर सन्धि (D) दीर्घ स्वर सन्धि

उत्तर: (A) गुण स्वर सन्धि

व्याख्या: सूर्य + उदय = सूर्योदय (अ + उ = ओ, अतः गुण स्वर सन्धि)।

69. 'तन्मय' का सही सन्धि-विच्छेद क्या होगा?

- (A) तत् + मय (B) तन् + मय
(C) तद् + मय (D) तम + मय

उत्तर: (A) तत् + मय

व्याख्या: वर्ग के प्रथम वर्ण (त्) के बाद अनुनासिक वर्ण (म्) आने पर त् अपने वर्ग के पंचम वर्ण 'न्' में बदलता है (व्यंजन सन्धि)।

70. 'नीलगाय' (नीली है जो गाय) में कौन-सा समास है?

- (A) कर्मधारय समास (B) बहुव्रीहि समास
(C) तत्पुरुष समास (D) द्विगु समास

उत्तर: (A) कर्मधारय समास

व्याख्या: 'नीली' विशेषण और 'गाय' विशेष्य होने के कारण कर्मधारय समास है।

71. 'हथकड़ी' (हाथ के लिए कड़ी) में कौन-सा तत्पुरुष समास है?

- (A) सम्प्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी) (B) करण तत्पुरुष
(C) अपादान तत्पुरुष (D) सम्बन्ध तत्पुरुष

उत्तर: (A) सम्प्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी)

व्याख्या: 'के लिए' विभक्ति चिह्न का लोप होने के कारण सम्प्रदान तत्पुरुष समास है।

72. 'छत से बिल्ली कूद पड़ी' में कौन-सा कारक है?

- (A) अपादान कारक (B) करण कारक
(C) कर्म कारक (D) अधिकरण कारक

उत्तर: (A) अपादान कारक

व्याख्या: जहाँ किसी वस्तु का किसी स्थान से अलग होना पाया जाए, वहाँ अपादान कारक (पंचमी विभक्ति) होता है।

73. 'सृष्टि' का विलोम शब्द निम्नलिखित में से कौन-सा है?

- (A) प्रलय (B) विनाश
(C) संहार (D) मरण

उत्तर: (A) प्रलय

व्याख्या: सृष्टि (निर्माण/उत्पत्ति) का पारम्परिक शास्त्रीय विलोम 'प्रलय' (महाविनाश) होता है।

74. 'जड़' का विलोम शब्द क्या है?

- (A) चेतन (B) सचल
(C) तना (D) पत्ता

उत्तर: (A) चेतन

व्याख्या: जड़ (चेतनारहित/निर्जीव) का विलोम 'चेतन' (चेतनावान/सजीव) होता है।

75. 'मार्तण्ड' निम्नलिखित में से किसका पर्यायवाची शब्द है?

- (A) सूर्य (B) चन्द्रमा
(C) तारा (D) अग्नि

उत्तर: (A) सूर्य

व्याख्या: मार्तण्ड, दिनकर, दिवाकर, भानु, भास्कर, सविता सभी सूर्य के पर्यायवाची हैं।

76. 'मर्कट' और 'कपि' के अतिरिक्त 'वानर' का एक अन्य प्रसिद्ध पर्यायवाची क्या है?

- (A) शाखामृग (B) सारंग
(C) कुरंग (D) मातंग

उत्तर: (A) शाखामृग

व्याख्या: शाखाओं पर दौड़ने वाला पशु होने के कारण वानर (बन्दर) को 'शाखामृग' कहा जाता है।

77. 'हरिद्रा' का तद्भव रूप क्या है?

- (A) हल्दी (B) हरड़
(C) हरा (D) हींग

उत्तर: (A) हल्दी

व्याख्या: संस्कृत तत्सम शब्द 'हरिद्रा' का हिन्दी तद्भव रूप 'हल्दी' होता है।

78. निम्नलिखित में से शुद्ध वर्तनी वाला शब्द चुनिए:

- (A) जीजीविषा (B) जिजीविषा
(C) जजिविषा (D) जीजिविषा

उत्तर: (B) जिजीविषा

व्याख्या: जीने की प्रबल इच्छा के लिए प्रयुक्त होने वाला शुद्ध मानक शब्द 'जिजीविषा' है।

79. 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?

- (A) छोटी-सी बात को बहुत बड़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना (B) पेड़ लगाना
(C) तिल की खेती करना (D) व्यर्थ वाद-विवाद करना

उत्तर: (A) छोटी-सी बात को बहुत बड़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना

व्याख्या: किसी मामूली बात को अत्यधिक तूल देकर बड़ा बना देने को 'तिल का ताड़ बनाना' कहते हैं।

80. 'होनहार बिरवान के होत चीकने पात' लोकोक्ति का सही अर्थ क्या है?

- (A) प्रतिभाशाली व्यक्ति के लक्षण बचपन में ही दिखाई देने लगते हैं (B) पौधे के पत्ते कोमल होना
(C) बड़ा होकर फल देना (D) सुन्दर वृक्ष की पहचान

उत्तर: (A) प्रतिभाशाली व्यक्ति के लक्षण बचपन में ही दिखाई देने लगते हैं

व्याख्या: योग्य और होनहार बालकों के लक्षण उनके शैशवकाल और आरम्भिक व्यवहार से ही स्पष्ट हो जाते हैं।

81. 'ऋतुसंहारम्' किस प्रकार का संस्कृत काव्य है और इसमें कितने सर्ग हैं?

- (A) षड्ऋतु वर्णन गीतिकाव्य (6 सर्ग) - कालिदास (B) महाकाव्य (18 सर्ग) - भारवि
(C) चम्पू काव्य - दण्डी (D) नाटक (7 अंक) - भवभूति

उत्तर: (A) षड्ऋतु वर्णन गीतिकाव्य (6 सर्ग) - कालिदास

व्याख्या: महाकवि कालिदास की प्रथम काव्य-रचना 'ऋतुसंहारम्' है जिसमें ग्रीष्म से वसन्त तक 6 ऋतुओं का 6 सर्गों में शृंगारिक वर्णन है।

82. 'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य में अर्जुन को भगवान शिव से कौन-सा अस्त्र प्राप्त होता है?

- (A) पाशुपतास्त्र (B) ब्रह्मास्त्र
(C) नारायणास्त्र (D) आग्नेयास्त्र

उत्तर: (A) पाशुपतास्त्र

व्याख्या: इन्द्रकील पर्वत पर कठोर तपस्या के बाद किरात वेशधारी भगवान शिव से युद्ध कर अर्जुन 'पाशुपतास्त्र' प्राप्त करते हैं।

83. 'शिशुपालवधम्' महाकाव्य की कथा महाभारत के किस पर्व से ली गई है?

- (A) सभा पर्व (B) वन पर्व
(C) उद्योग पर्व (D) आदि पर्व

उत्तर: (A) सभा पर्व

व्याख्या: युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल द्वारा श्रीकृष्ण की निन्दा और उसके वध की कथा महाभारत के 'सभा पर्व' से ली गई है।

84. 'प्रतिमानाटकम्' और 'अभिषेकनाटकम्' किस संस्कृत नाटककार की रचनाएँ हैं?

- (A) महाकवि भास (B) कालिदास
(C) भवभूति (D) विशाखदत्त

उत्तर: (A) महाकवि भास

व्याख्या: महाकवि भास के 13 नाटकों में राम-कथा पर आधारित दो प्रसिद्ध नाटक 'प्रतिमानाटकम्' (7 अंक) और 'अभिषेकनाटकम्' (6 अंक) हैं।

85. 'वेणीसंहारम्' नाटक (6 अंकों में) के रचयिता कौन हैं?

- (A) भट्टनारायण (B) शूद्रक
(C) विशाखदत्त (D) भवभूति

उत्तर: (A) भट्टनारायण

व्याख्या: द्रौपदी की वेणी (चोटी) बाँधने और भीम द्वारा दुःशासन-दुर्योधन के वध की वीर-रस प्रधान कथा पर आधारित नाटक भट्टनारायण का है।

86. 'उभयतः' (दोनों ओर) और 'परितः' (चारों ओर) के योग में कौन-सी विभक्ति होती है?

- (A) द्वितीया विभक्ति (B) तृतीया विभक्ति
(C) चतुर्थी विभक्ति (D) पञ्चमी विभक्ति

उत्तर: (A) द्वितीया विभक्ति

व्याख्या: 'अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि' सूत्र से अभितः, परितः, उभयतः के योग में द्वितीया विभक्ति होती है।

87. 'रुदति पुत्रे माता जगाम' (पुत्र के रोते रहने पर माता चली गई) में अनादर अर्थ में कौन-सी विभक्ति हुई है?

(A) षष्ठी एवं सप्तमी (षष्ठी चानादरे) (B) केवल पञ्चमी

(C) केवल चतुर्थी (D) केवल तृतीया

उत्तर: (A) षष्ठी एवं सप्तमी (षष्ठी चानादरे)

व्याख्या: 'षष्ठी चानादरे' सूत्र से अनादर भाव लक्षित होने पर षष्ठी अथवा सप्तमी विभक्ति होती है।

88. 'यथा च निर्धारणम्' (यतो निर्धारणम्) सूत्र से समुदाय में से किसी एक को श्रेष्ठ बताने में कौन-सी विभक्ति होती है?

(A) षष्ठी और सप्तमी दोनों (B) केवल पञ्चमी

(C) केवल तृतीया (D) केवल द्वितीया

उत्तर: (A) षष्ठी और सप्तमी दोनों

व्याख्या: 'यतश्च निर्धारणम्' सूत्र से जाति, गुण या क्रिया द्वारा समुदाय से एक का निर्धारण करने पर षष्ठी या सप्तमी होती है (जैसे- कविनां/कविषु कालिदासः श्रेष्ठः)।

89. 'स्था' (तिष्ठ्) धातु का लट् लकार प्रथम पुरुष बहुवचन रूप क्या होता है?

(A) तिष्ठन्ति (B) तिष्ठति

(C) स्थास्यन्ति (D) अतिष्ठन्

उत्तर: (A) तिष्ठन्ति

व्याख्या: 'स्था' धातु का लट् लकार (वर्तमान काल) रूप तिष्ठति (एकवचन), तिष्ठतः (द्विवचन), तिष्ठन्ति (बहुवचन) चलता है।

90. 'वृक्षात् पत्राणि पतन्ति' का सही हिन्दी अनुवाद क्या है?

(A) पेड़ से पत्ते गिरते हैं (B) पेड़ पर पत्ते लगते हैं

(C) पेड़ से फल गिरता है (D) पत्तों पर पानी गिरता है

उत्तर: (A) पेड़ से पत्ते गिरते हैं

व्याख्या: वृक्षात् (पेड़ से, अपादान कारक) + पत्राणि (पत्ते, बहुवचन) + पतन्ति (गिरते हैं, बहुवचन), अतः अनुवाद 'पेड़ से पत्ते गिरते हैं' होगा।